मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों में हाथियों के स्वास्थ परीक्षण शिविर में भाग लेगे विश्वविद्यालय के वन्यजीव विशेषज्ञ

मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों तथा टाईगर रिजर्व में रखे गये हाथियों का प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी एलिफेन्ट रिजुवनेशन कैम्प 11-09-2021 से 20-09-2021 के दौरान रखा गया है। मध्यप्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक के आदेशानुसार तथा नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. डॉ. एस.पी. तिवारी जी के निर्देशानुसार स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर के वन्यजीव स्वास्थ प्रबंधन विशेषज्ञों की टीम इन विभिन्न टाईगर रिजर्व में जाकर हाथियों की हेल्थ मानिटरिंग, डीसिस डायग्नोस्टिक और उनके रख–रखाव की सभी गतिविधियों का निरीक्षण करेगी और आवश्यक दिशानिर्देश के पालन हेतु जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी, ताकि इन हाथियों के स्वास्थ्य संबंधी क्रियाकलापों की सावधानी पूर्वक निगरानी की जा सके। मध्यप्रदेश के विभिन्न टाईगर रिजर्व में लगभग 50 नर और मादा हाथी है जो कि जैव विविधता संरक्षण में आवश्यक कार्य जैसे टाईगर और तेन्दुओं की निगरानी दुर्गम स्थल पर पहुँचने का माध्यम तथा इलाज और निश्चेतन संबंधी महत्वपूर्ण कार्यों में मदद के लिये उपयोग किया जाता है। प्रतिवर्ष सितम्बर माह में पार्क में पर्यटन की प्रक्रिया जब लगभग नगण्य स्थिति में होती है उसी समय इन कैम्प हाथियों का रिजुवनेशन शिविर लगाया जाता है, ताकि इन्हे विश्राम दिया जा सके। स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ की संचालिका डॉ शोभा जावरे के नेतृत्व में हाथियों का रिजुवनेशन कैम्प में अधिकृत रूप से भाग लेने के लिये डॉ के.पी. सिंह को पेंच टाईगर रिजर्व, डॉ सोमेश सिंह को सतपुड़ा टाईगर रिजर्व, डॉ निधी राजपूत को पन्ना टाईगर रिजर्व, डॉ देवेन्द्र पोदाड़े को कान्हा टाईगर रिजर्व, और डॉ अमोल रोकड़े को बान्धवगढ़ टाईगर रिजर्व जाने के लिये अधिकृत किया गया है जो नियत तिथी में हाथियों के स्वास्थ परीक्षण में योगदान करेंगे। डॉ माधवी धैर्यकर जो कि पी.एच.डी. शोधकर्ता है वे हाथियों में हार्मोन परिवर्तन संबंधी जांच के लिए सभी शिविरो में जाकर हाथियों के जैविक नमूनों का संकलन करेंगी।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि.,जबलपुर